i next, Gorakhpur, 9 September 2013

सिर्फ इन्हें ही याद रहा Literacy Day

PIC: I NEXT

- सिटी में सिर्फ एमपीपीजी कॉलेज में सेलिब्रेट किया लिटरेसी डे
- बाकी किसी को भी याद नहीं रहा शिक्षा का यह दिन, संडे को बतौर फन डे करते रहे सेलिब्रेट

कॉलेज के एनएसएस वॉलेंटियर्स ने रैली के जरिए लोगों को किया अवेयर.

gorakhpur@inext.co.in

GORAKHPUR (8 Sept): इंटरनेशल लिटरेसी डे, 8 सितंबर को पूरी दुनिया में इस दिन को याद रखा गया लेकिन सिटी के लोग इस दिन को भूल बैठे. पूरे सिटी में सिर्फ एमपीपीजी जंगल धूसड़ में ही इंटरनेशनल लिटरेसी डे न सिर्फ याद रखा गया बल्कि सिटी के लोगों को अवेयर करने के लिए कॉलेज के एनएसएस वालेंटियर्स ने अवेयरनेस रैली निकाली. इसका मेन मोटिव स्टूडेंट्स को एजूकेशन के प्रति अवेयर करना था.

लिटरेसी बहुत जरूरी

आस-पास के लोगों को अवेयर करने के उद्देश्य से निकाली गई रैली सिटी के मंझरिया और हसनगंज होते हुए कॉलेज कैंपस में वापस लौटी. इस अवेयरनेस रैली में इस बात पर जोर दिया गया कि लिटरेसी बहुत जरूरी है. इस दौरान एक गोष्ठी ऑर्गेनाइज की गई. इस दौरान सीनियर प्रोग्राम ऑफिसर लोकेश कुमार प्रजापति ने मौजूद वालेंटियर्स को बताया कि जिस तरह से ह्यूमन लाइफ के लिए रोटी, कपड़ा और मकान की जितनी जरूरत है, उतना ही उन्हें लिटरेट होना भी जरूरी है.

इंडिया में बड़ी तादाद में लोग इल्लिटरेट

लेक्चर के दौरान यह बात भी सामने आई कि शिक्षा ही ज्ञान को विस्तार देती है. अभी भी इंडिया जैसे देश में बड़ी तादाद में लोग इल्लिटरेट हैं. ऐसी कंडीशन में एजुकेशनल इंस्टीट्यूट्स के कंधो पर ह्यूमन कैरेक्टर और पर्सनालिटी डेवलपमेंट का दायित्व होता है. इसके लिए न सिर्फ कैंपस में बल्कि वहां से बाहर निकलकर भी लोगों को अवेयर करने जरूरत है. इस दौरान प्रोग्राम ऑफिसर कविमा मन्ध्यान ने कहा कि साक्षर समाज ही एक स्वस्थ्य राष्ट्र का निर्माण कर सकता है. ऐसी कंडीशन में एजूकेशनल इंस्टीट्यूशंस को इंपॉर्टेंट रोल प्ले करना चाहिए और अवेयरनेस रैलियों के माध्यम से समाज के लोगों को मोटीवेट करते रहना चाहिए.

जब रविवार को महाविद्यालय के छात्र
अभिगृहित गाँव को चल पड़े

पर्यावरण संरक्षण के लिए किये गये प्रयत्नों का एक उदाहरण

हिन्दुस्तान
गोरखपुर • गुरुवार • 24 अप्रैल 2014

हरियाली के रखवाले

हरियाली लाने के जुनूनी लोगों के प्रयास को सामने लाने की 'हिन्दुस्तान' का असर दिखा। बुधवार को एसएमएस के जरिए सामूहिक श्रेणी में दो नॉमिनेशन आए। पहला डॉ. प्रदीप राव और दूसरा डॉ. अजय शुक्ला का।

डॉ .प्रदीप राव, प्राचार्य, महाराणा प्रताप पीजी कॉलेज जंगल धूसड़

कॉलेज में छात्रों और शिक्षकों ने अपनी कोशिशों से सागौन के एक हजार, आम के 50, इमली के 12, नीम के 10, पीपल के तीन, बरगद के दो, पाकड़ का एक, आंवला के 15, कदम्ब के दो, चम्पा का एक, जामुन के दस, बेल के आठ और अशोक के 72 पेड़ लगाए। कॉलेज में हर साल बकायदा एक बागवानी समिति बनती है, जिसमें शिक्षक और छात्र दोनों होते हैं। यह समिति पूरे वर्ष पिछले साल लगाए गए सभी पेड़ों की सुरक्षा और उनके विकास का ध्यान रखती है।

डॉ .अजय शुक्ल, समन्वयक, राष्ट्रीय सेवा योजना, गोरखपुर विश्वविद्यालय

गुलमोहर, नीम, अमलतास, कचनार, छितवन और मौलसरी जैसे कई पौधे जिनकी लागत न्यूनतम आती है, विश्वविद्यालय परिसर और छात्रावासों में बड़ी तादाद में लगाए गए। यह काम एनएसएस स्वयंसेवकों ने सामूहिक प्रयास से किया।

हिन्दुस्तान • गोरखपुर • सोमवार • 28 अप्रैल 2014

हरियाली से ढंकने लगा कॉलेज का भवन

पृथ्वी दिवस इस बार 'ग्रीन सिटी' थीम पर ... या गया। अपने शहर में भी 'ग्रीन गोरखपुर' का ... है। इसके तिहाई हिस्से में हरियाली होनी ... जबकि रह गई है महज पांच प्रतिशत। इस ... के दो पहलू हैं या तो हम हरियाली घटने का ... रोते रहें या खुद पहल करें। अपने शहर में बहुत ... लोग हैं, जिनका जुनून है हरियाली। कुछ ... ने छोटे से लॉन या छत को हरा-भरा बना रखा ... कुछ स्कूल पार्क और मोहल्ले में हरियाली लाने ... जुटे हैं। 'हिन्दुस्तान' ऐसे लोगों के प्रयास ... लाना चाहता है ताकि औरों को भी प्रेरणा मिले ... धीरे-धीरे अपना शहर भी हरा-भरा हो सके। ... अपनी गैलरी, लॉन या छत पर बगिया सजाई है ... टीम का हिस्सा हैं, जो किसी पार्क या ... की सड़कों को हरा-भरा बनाने में जुटी है तो ... या ई-मेल करें। संदेश में नाम, पूरा ... और मोबाइल नंबर जरूर लिखें। हमारी टीम ... पहुंचेगी। आपके प्रयास विशेषज्ञों के पैनल ... रखेगी। व्यक्तिगत और सामूहिक दोनों ... में श्रेष्ठ तीन-तीन प्रयासों को हिन्दुस्तान ... के सामने लाएगा। आपके प्रयासों की ढेरों ... से भी शहरियों को रूबरू कराएगा।

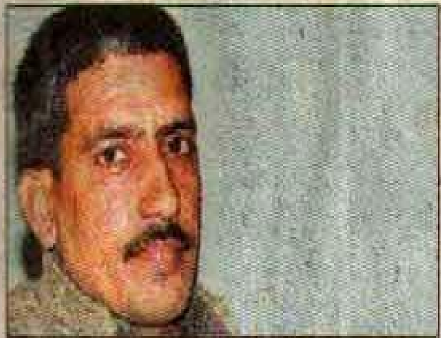

डॉ. प्रदीप राव

2005 में महाराणा प्रताप पीजी कॉलेज ज्वाइन करने के कुछ ही दिनों बाद भुवनेश्वर में एक अकादमिक बैठक में शामिल होने का मौका मिला। हम लोग जिस गेस्ट हाउस में रुके थे वह पेड़ों से इस प्रकार घिरा था कि परिसर के अंदर घुसने के बाद ही उसकी बहुमंजिली इमारत दिखती थी। बाहर से सिर्फ पेड़ ही नजर आते थे। कुछ ऐसा ही नजारा मैंने जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय में भी देखा। मेरे मन में आया कि अपने कॉलेज को भी कुछ इस तरह हरा-भरा किया जाए कि बाहर से सिर्फ हरियाली दिखे, परिसर में प्रवेश के बाद ही भवन दिखाई पड़े। मन में लिए इस संकल्प की चर्चा मैंने कॉलेज के शिक्षकों, स्टाफ और विद्यार्थियों के बीच की। सबने यह महसूस किया कि वाकई हरियाली से पठन-पाठन का माहौल आनन्दमय हो जाएगा। बस इसके बाद बागवानी समिति के गठन की प्रक्रिया चल पड़ी। कॉलेज करीब दस एकड़ है। भवन और खेल मैदान के अतिरिक्त करीब सात एकड़ जमीन बचती है। हमने पूरे खुले क्षेत्र को इस प्रकार से नियोजित किया कि 10-12 साल बाद पूरा परिसर पेड़ों से ढंका होगा और भवन उसके बीच दिखेगा। हमारी इस कोशिश में दिग्विजयनाथ पीजी कॉलेज के एनएसएस कार्यक्रम प्रभारी डॉ. शैलेन्द्र प्रताप सिंह का पूरा सहयोग मिला। सबके सम्मिलित प्रयासों से जुलाई 2006 में एक साथ एक हजार पेड़ लगाए गए। इसमें हर साल 50-60 पेड़ सूखे, लेकिन उन स्थानों को हम तत्काल नए पौधों से भरते गए। सागौन, शीशम, यूकेलिप्टस, आम, अमरूद, इमली, आंवला, जामुन, नीम, गुलमोहर, अमलतास, पीपल सहित अन्य कई प्रकार के करीब डेढ़ हजार पेड़ पल-बढ़ रहे हैं।

(डॉ. प्रदीप राव महाराणा प्रताप पीजी कॉलेज, जंगल धूसड़ के प्राचार्य हैं)

दस से बारह साल में महाराणा प्रताप पीजी कॉलेज का परिसर पेड़ों से ढंक जाएगा। • हिन्दुस्तान

पर्यावरण रक्षक के रूप में महाराणा प्रताप पी.जी. कालेज, जंगल धूसड़

सम्मानित एवं पुरस्कृत

हिन्दुस्तान • गोरखपुर • रविवार • 29 जून 2014

सम्मानित किए गए शहर के पर्यावरण रक्षक

पहल को सलाम

गोरखपुर | कार्यालय संवाददाता

शहर में हरियाली के लिए प्रयास करने वाले पर्यावरण रक्षकों का शनिवार की रात हिन्दुस्तान के शाम-ए-गजल में शॉल ओढ़ाकर, प्रशस्तिपत्र और विलुप्त प्रजाति के पनियाला, हरसिंगार के पौधे देकर सम्मानित किया गया। कुलपति प्रो. अशोक कुमार, 'हिन्दुस्तान' के यूनिट हेड हरिओम पाण्डेय ने पर्यावरण रक्षकों को पुरस्कृत किया।

विश्व पृथ्वी दिवस इस बार ग्रीन सिटी थीम पर मनाया गया। इस मौके पर 'हिन्दुस्तान' ने हरियाली के लिए छोटी बड़ी कोशिशें करने वालों को सामने लाने की पहल की। ऐसे लोग जिन्होंने अपने घर, मोहल्ले को हरा भरा बनाने के लिए काम किए और दूसरों को भी प्रेरित किया।

विशेषज्ञ पैनल प्रकृति प्रेमी रवि द्विवेदी, गोविवि के ललित कला विभाग के अध्यक्ष डॉ. भारत भूषण, रसायन शास्त्र के प्रो. शिवशरण दास ने कई दिनों तक भ्रमण कर पर्यावरण रक्षकों के प्रयास को देखा-परखा। उसके बाद विजेताओं के नाम दीक्षा भवन में आयोजित गजल संध्या में घोषित किए गए।

शाम-ए-गजल के आखिर में शहर की हरियाली बचाने का प्रयास करने वालों को सम्मानित किया गया। • हिन्दुस्तान

व्यक्तिगत श्रेणी

रंजू गुप्ता प्रथम, दीपिका सर्राफ व मुकुन्द गोयनका संयुक्त रूप से द्वितीय और डॉ. नमिता सिंह व डॉ. उमा सर्राफ संयुक्त रूप से तृतीय स्थान पर रहे। इस श्रेणी में सांत्वना पुरस्कार पाने वालों में परमेश्वर प्रसाद, भारती सिंह, सुरेन्द्र मोहन भारती, रिकी जैन, मित्रसेन सिंह शामिल रहे।

संस्थागत श्रेणी

पद्म नर्सरी के ओमप्रकाश कर्मचन्दानी को प्रथम, महाराणा प्रताप पीजी कॉलेज के डॉ. प्रदीप राव को द्वितीय और सरस्वती शिशु मंदिर सुभाषनगर के राजबिहारी विश्वकर्मा को तृतीय पुरस्कार मिला। इस श्रेणी में नवल्स एकेडमी समूह की किरन त्रिपाठी व दिग्विजयनाथ पीजी कॉलेज की प्राचार्य डॉ. गीता दत्त को सांत्वना पुरस्कार मिला।

घर में सभी पौधे लगाएं तो आएगी हरियाली

गोरखपुर। सुबह-शाम लगकर जिन्होंने अपने प्रयास से घर, छत, लॉन, गैलरी को हरा भरा बनाया। मेहमान या कोई अन्य जब भी उनके घर आए सबके मुंह से प्रशंसा निकली लेकिन अब तक किसी ने उन्हें इस प्रयास के लिए पुरस्कृत नहीं किया था। शनिवार को गजलों से भरी शाम में 'हिन्दुस्तान' ने सम्मानित किया तो उन्हें लगा कि प्रकृति को बचाने का उनका प्रयास सार्थक हो गए।

प्रकृति को बचाने के लिए सबको प्रयास करना होगा। गोरखपुर का हर व्यक्ति थोड़ा प्रयास करे तो बड़ा बदलाव हो सकता है। सभी एक-एक पौधे लगाएं तो पर्यावरण को संतुलित बनाया जा सकता है।

रंजू गुप्ता, व्यक्तिगत श्रेणी में प्रथम

'हिन्दुस्तान' ने जो सम्मान दिया उसे याद रखूंगी। पौधे लगाने का शौक सबके अंदर होना चाहिए। सब एक-एक पौधे लगाएं तो विलुप्त होती पौधों की विभिन्न लाभदायक प्रजातियों को बचाया जा सकता है।

उमा सर्राफ, व्यक्तिगत श्रेणी में तृतीय

गोरखपुर को सुन्दर व हरा बनाने के लिए सबको पेड़ न काटने का प्रण लेना होगा। गंदगी न फैलाएं। पेड़ों की सुरक्षा करें और अपने घर को हरा भरा बनाएं। इसका लाभ आने वाली पीढ़ी को भी मिलेगा।

दीपिका सर्राफ, व्यक्तिगत श्रेणी में द्वितीय

अगर जीवन बचाना है तो अपने जैसे ही पेड़-पौधों की भी रक्षा करनी होगी। रक्षा नहीं किया तो प्रकृति हमारी रक्षा करेगी इसमें संशय है। पूरे समाज को प्रकृति की रक्षा के लिए चेतना होगा।

डॉ. प्रदीप राव, संस्थागत श्रेणी में द्वितीय

हिन्दुस्तान
गोरखपुर • रविवार • 28 सितम्बर 2014

घंटी बजते ही झाड़ू उठा लेते हैं प्राचार्य, शिक्षक और विद्यार्थी

गोरखपुर | प्रमुख संवाददाता

मध्याह्न 12:10 बजे। टनटनटन.... टनटनटन...। महाराणा प्रताप स्नातकोत्तर कॉलेज जंगल धूसड़ में तीसरा पीरियड खत्म होने पर बजने वाली यह घंटी रोज इंटरवल की सूचना देती है, लेकिन शनिवार को शिक्षक और छात्र-छात्राओं ने झाड़ू, पाइप, बाल्टी, फावड़ा और टोकरी उठा ली। किसी को बात करने की फुर्सत नहीं। हर कोई पहले से जानता है कि उसे क्या करना है। कुछ ही पल में कोई खिड़की साफ करने में तो फर्श, सीढ़ी, ट्वायलेट या बगीचे में उग आई झाड़ियों की सफाई में जुट गया है।

नोटिस बोर्ड पर लगी समय सारिणी पर नजर गई तब पता चला कि शनिवार को यहां इंटरवल नहीं होता। यह समय साफ-सफाई का है। स्वैच्छिक श्रमदान के इस एक घंटे में कालेज का कोना-कोना चमका दिया जाता है।

वर्ष 2005 में स्थापना के पहले साल से ही कॉलेज में शनिवार का यह अभियान चलता है। प्राचार्य डॉ. प्रदीप राव बताते हैं, 'विद्यार्थी जीवन में डेस्क पर जमा धूल हर सुबह मुझे परेशान करती थी। महसूस किया कि यह काम अकेले चपरासियों के बस का नहीं। जो विद्यार्थी, शिक्षक या प्राचार्य विद्यालय को खुद साफ करता है, उसके रहते कोई परिसर को गंदा नहीं कर सकता।'

एमपीपीजी कॉलेज जंगल धूसड़

- हर शनिवार को कॉलेज में दिखता है यह नज़ारा
- दो अक्तूबर को पीएम मोदी करने वाले हैं स्वच्छ भारत अभियान का शुभारम्भ

एमपीपीजी कॉलेज जंगल धूसड़ में शनिवार को इंटरवल नही होता, इसी समय में छात्र और शिक्षक कॉलेज परिसर की सफाई करते हैं

माहौल ऐसा है कि छात्रों-शिक्षकों के बीच स्वैच्छिक श्रमदान की सूची में अपना नाम दर्ज कराने की होड़ मची रहती है। शुक्रवार दोपहर को ही नोटिस बोर्ड पर अलग-अलग टोलियों की सूची लग जाती है। हर टोली में दो शिक्षक-10 छात्र। लेकिन कोई किसी का नेतृत्व नहीं करता। न किसी से कुछ कहना होता है। युद्ध छिड़ने पर जैसे सायरन बजते ही सैनिक सीमा पर जाने के लिए तैनात हो जाते हैं शनिवार को 12:10 की घंटी बजने के बाद यहां वही नजारा देखने को मिलता है।

... और सब सुनते रह गए 'रहमान चाचा' की समझदारी भरी बातें

९ अक्टूबर
२०१४

गोरखपुर | प्रमुख संवाददाता

रहमान चाचा मंझरिया गांव पहुंचे। गांव के मुहाने पर कूड़े का ढेर देख दुःखी हो गए। बीच गांव में पहुंच कर जोर से आवाज लगाई, 'सुनो-सुनो...मैं बूढ़ा आदमी बहुत दूर से चलकर आया हूं। कोई तो मेरी बात सुन ले। सब अपने-अपने काम में इतने मशरूफ हैं कि अपनी सुरक्षा की बात भी भूल गए...। जानते नहीं कि यह जो गंदगी फैली है इसी से जा रही है हमारे बच्चों की जान। जमीन की गंदगी पानी से जा मिलती है। वही पानी पीकर इंसेफेलाइटिस के शिकार बन जाते हैं बच्चे।'

रहमान चाचा की ये बातें सुनकर उनके पास लोग जमा हो जाते हैं। तब चाचा एक-एक का परिचय जानते और बात शुरू करते हैं। वह गांव वालों को हर पल का सदुपयोग करने, सफाई रखने, शोर-शराबे से बचने, सौर ऊर्जा, जलशक्ति सहित अन्य प्राकृतिक जलस्रोतों की रक्षा सहित ढेर सारी जानकारी बातों-बातों में ही दे देते हैं। गांववालों में कोई उनका बेटा होता है, कोई बेटी तो कोई मौसी, ताई या भैया। बातों-बातों में रिश्ता जुड़ता चला जाता है। चाचा, विज्ञान की गूढ़ बातों को परिवार के बड़े बुजुर्ग की तरह बताते चले जाते हैं।

आप सोच रहे होंगे ये रहमान चाचा भला हैं कौन! और गांववाले इतनी शांति से उनकी बात क्यों सुन रहे हैं। तो भइया! रहमान चाचा कोई और नहीं बल्कि मिठाईलाल, हामिद अली जैसे विशेषज्ञों द्वारा तैयार कठपुतलियों में से एक बुजुर्ग पात्र हैं। उनके और गांववालों के रूप में कठपुतलियों के अन्य पात्रों के बीच जो कुछ संवाद हो रहा है वह कानपुर के डीएवी कॉलेज के डॉ. योगेन्द्र प्रताप सिंह और छत्रपति शाहूजी महराज पत्रकारिता संस्थान के प्रो. एके सिंह ने लिखे हैं।

ये सब इंडियन साइंस राइटर्स एसोसिएशन के राष्ट्रीय महासचिव डॉ. वीपी सिंह के साथ आए हैं। मंझरिया के अलावा हसनगंज गांव में कठपुतलियों का यह शो हो चुका है। जंगल धूसड़ के महाराणा प्रताप पीजी कॉलेज में पिछले आठ दिन से नियमित प्रशिक्षण चल रहा है। इसमें कॉलेज के 27 विद्यार्थी, सात शिक्षक और लिटिल फ्लावर पॉलीटेक्निक कॉलेज खोराबार, सरदार पटेल इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस एण्ड टेक्नालॉजी, अखिल भाग्य स्नातकोत्तर महाविद्यालय रानापार और एमपी कृषक इंटर कॉलेज जंगल धूसड़ के एक-एक छात्र भाग ले रहे हैं।

कठपुतली से कर रहे जागरूक

- कठपुतलियों के माध्यम से विज्ञान को लोकव्यवहार में बदलने की पहल
- हंसी-खेल में कठपुतली पात्र रहमान चाचा ने बता दिए इंसेफेलाइटिस से बचाव के सूत्र

इंडियन साइंस राइटर्स एसोसिएशन के राष्ट्रीय महासचिव डॉ. वीपी सिंह के साथ मिलकर कुछ लोग इंसेफेलाइटिस के प्रति ग्रामीणों को जागरूक करने के लिए कठपुतली का मंचन कर रहे हैं

इंसेफेलाइटिस के प्रति करेंगे जागरूक

प्रशिक्षण पूरा होने के बाद ये प्रतिभागी एक-एक गांव में जाएंगे और कठपुतलियों के जरिए इंसेफेलाइटिस जैसी बीमारियों की रोकथाम के प्रचार के साथ ही वैज्ञानिक दृष्टिकोण फैलाने की कोशिश भी करेंगे। डॉ. वीपी सिंह बताते हैं विज्ञान के किताबी जटिल सूत्रों को आसान तरीके से आमजन और आम विद्यार्थियों तक पहुंचाने के लिए कठपुतलियों का प्रयोग किया जा रहा है। आयोजन में अहम भूमिका निभाने वाली एमपी पीजी की भौतिक विज्ञान शिक्षिका मनीता इसे प्राथमिक शिक्षा के स्तर पर लागू करने की पक्षधर हो गई हैं तो कॉलेज प्राचार्य डॉ. प्रदीप राव, शिक्षक अविनाश प्रताप सिंह, छात्रा आंचल श्रीवास्तव, धनन्जय और पास के गांव से आए संजय शर्मा का अनुभव है कि बात जब सहजता से कही जाती है तो विज्ञान के गूढ़ रहस्य भी रहस्य नहीं रह जाते, लोक व्यवहार बन जाते हैं।

जर्नल–'साइंस इण्डिया'
प्रकाशक विज्ञान भारती, भोपाल
शीर्षक–उच्च शिक्षा समस्याएं एवं समाधान
लेखक–डॉ. योगेन्द्र पाल कोहली

छठां चित्र– सम्मानित स्ववितपोषित स्नातकोत्तर महाविद्यालय 'म' में जाना हुआ एक बार। प्राचार्य 'प' से मिलकर पुस्तकालय गया। आधे घंटे बाद पुनः मिलने गया तो उन्हे कालेज के बाथरूम में पाया। पैंट घुटने तक चढ़ाया हुआ यह युवक अपने दो सहयोगियों के साथ, दो विद्यार्थियों के साथ फर्श पर पोछा लगा रहा था। कई बार जाना हुआ। दिवार पर जाला नहीं, जमीन पर कोई कागज/कुड़ा नहीं।

Particpatary Approach के बारे में कुछ जानने का अवसर मिला था चार अमेरिकन वैज्ञानिकों से (1997–1999)। इस कालेज की हर व्यवस्था के प्रम्बन्धन में विद्यार्थियों–कर्मचारियों/ शिक्षकों की भागीदारी का सुन्दर समन्वय है। चौसठ कक्षाओं के चौसठ विद्यार्थी–प्रतिनिधि, वो भी सत्र के प्रथम मासिक–परीक्षा में सर्वोच्च अंक पाने वाले। ये चौसठ प्रतिनिधि लोकतांत्रिक प्रक्रिया से चुनते है–छात्र–संघ के पदाधिकारियों। परीक्षा–समिति को छोड़कर, प्रवेश/खेल/सांस्कृतिक/सफाई........................सभी समितियों के विद्यार्थी–प्रतिनिधि, वो भी साठ–सत्तर प्रतिशत के बहुमत में। इतिहास, भूगोल, रसायन.........................सभी विषयों के उन्नीस विभाग और आसपास के गोद लिए उन्नीस गांव। वर्ष में चार बार प्राध्यापक–विद्यार्थी जाते हैं, इन गांवों में, वो भी अपने स्वयं के खर्च पर। आस–पड़ोस में चलने वाली विकास भी इन यात्राओं को, अनुठे प्रयोगों को नमन।

अतिथि अभिमत

Remarks

a इस महाविद्यालय को देखकर यह लगा कि
एक श्रेष्ठ महाविद्यालय की नींव रखने का हृदय
से प्रयास किया जा रहा है। यद्यपि की यह B.Sc. I
का पहला सत्र है तथापि सभी प्रयोगों के उपकरण
मौजूद हैं तथा सभी प्रयोगों को बच्चों से कराने का प्रयास
भी किया गया है। अगले सत्र में B.Sc. II की
भी कक्षाएं चलेंगी अतः उसके लिए एक Dark Room
की आवश्यकता होगी जिसका क्षेत्रफ. कम से कम
वर्तमान प्रयोगशाला के आधे का होना चाहिए।
बच्चों तथा अध्यापकों को प्रोत्साहित करने के लिए
प्राचार्य जी द्वारा जो प्रयास किया जा रहा है वह
प्रशंसनीय है। मैं इस महाविद्यालय के सफल
तथा सुखद भविष्य के लिए ईश्वर से
कामना करता हूँ।

Dr. Virendra Singh, Reader, Mob 9415375608
Dept. of Physics, T.D. P.G. College, P (05452) 285103
Jaunpur. 222002

11th March 2006.

Date	Name & Address	Tel. No.
4.06.06	Dr. P. P. Upadhyaya Professor, Deptt. of Botany DDU Gorakhpur University Gorakhpur, 273009	0551-3251646 (M) 94153-79462

Remarks

I am pleased to learn that the Maharana Pratap Educational Society, Gorakhpur is sincerely and actively engaged to upgrade the academic activities in this area which is not upto the mark at national level.

This institute is established in a rural area with faculties namely Science and humanity. The college is quite disciplined and well mentioned both externally and internally. The rooms are named after the names of great personalities who have sacrificed their lifes to establish a spiritual and moral values in the society.

The principal, Dr. Rao is a dynamic leadership with meaningful devotions. The academic standard is quite superior and upto national standard with contemporary equipment

Remarks

It was a matter of satisfaction and pleasure to visit the College as a member of Inspection team for DBAT Exam. 2006. The examination was conducted in a proper and peaceful manner. I was highly impressed by the academic environment of the college. The Management, Principal and faculty members deserve congratulations for their contribution in the growth and development of the college. I hope the college will be a source of inspiration for the students and usher in all round development of the area.

I wish all success to the college

R S Singh
4.6.06

Date	Name & Address
4.6.06	Prof. R.S. Singh Dean Faculty of Commerce Head Deptt of Business Administration DDU Gorakhpur University Gorakhpur.

Tel. No.	Remarks
	महाराणा प्रताप डिग्री कालेज, जंगलधूसड़, गोरखपुर के परिसर में प्रवेश करते ही सांस्कृतिक परिवेश का अहसास होता है। आशा है समस्त महापुरुषों को स्मरण रखने का इससे ज्यादा उत्तम स्वरूप कहीं नहीं दिखता है। आशा है कला भी संस्कृति का अंग विषय के रूप में स्थापित होगी। [signature]

Date	Name & Address	Tel. No.
01.07.2006	मनोज कुमार सिंह आचार्य एवं अध्यक्ष ललित कला एवं संगीत विभाग दी०द०गो०वि० वि.	9415266021

Remarks

a

I am highly impressed with the college, its objectives and ideologies. Its unique location at the fringe of a city will surely create growth waves and impulses in the associated rural areas.

My good wishes are always with the growth of the college.

Prithish Nag.

17-7-2006	DR. P. NAG, Director NATMO Kolkata	033- 23346960

Date	Name & Address	Tel. No.
31-3-2007	डॉ॰ अरविन्द कुमार सिंह रीडर, रक्षाअध्ययन विभाग मर्यादा पुरुषोत्तम महाविद्यालय रतनपुरा - मऊ.	9415384233

Remarks

a

आज मुझे जंगलिधूसड़ स्थल पर नव स्थापित महाराणा प्रताप महाविद्यालय को अवलोकन करने एवं यहाँ के प्राचार्य एवं आचार्य गण से संवाद का सुअवसर मिला। अतीव प्रसन्नता हुई यह जानकर कि वर्तमान परिवेश में, जबकि गिरते शिक्षा स्तर को आधार बनाकर शिक्षा का व्यावसायीकरण हो रहा है, इससे अछूता यह महाविद्यालय आदर्श शिक्षा का प्रतिमान स्थापित करने की ओर अग्रसर है हालांकि इतना प्रारंभिक चरण पर घोषणा कठिन है फिर भी यहां सिद्ध हो जाता है कि "होनहार बिरवान के होत चिकने पात"।

मैं ईश्वर से प्रार्थना करता हूँ कि गतिक्रम में व्यवधान न हो और यह महाविद्यालय शिक्षा का प्रादर्श बने।

अरविन्द कुमार सिंह

Remarks

जंगलधूसड़ के महाविद्यालय में प्रवेश के साथ ही मुझे ऐसा अनुभव हुआ कि देश की सांस्कृतिक विरासत को संजोने का अनूठा प्रयास किया गया है। प्राचार्य जी से बातचीत में यह ज्ञात हुआ कि महाविद्यालय में अध्यापकों तथा छात्रों की सहभागिता विकास कार्यों के लिये पूर्ण समर्पण है। महाविद्यालय की प्रयोगशालायें उत्कृष्ट कोटि की हैं तथा समस्त सुविधाओं से युक्त हैं। छात्र एवं महाविद्यालय के प्रगति में इसका स्वत के ऊपर अत्यन्त अनुशासित हैं तथा अपने विषय में पारंगत होने के लिये प्रयत्नशील हैं तथा छात्र जीवन की आवश्यक चीज़ शिक्षा से युक्त हैं

A K Bajpai

Date	Name & Address
7-4-2007.	Arun Kumar Bajpai, Retired Reader/Head Deptt. Chemistry. S.H.K. P.G. College, Basti. Mob. No. - 9450880312

Date	Name & Address	Tel. No.
10.6.2007	प्रो. एल. एन. त्रिपाठी, (सेवानिवृत्त आचार्य) भौतिकी विभाग, गो० वि० वि०	2343495

Remarks

दिनांक 25, 26 जून 2007 को B.Sc. I की प्रायोगिक परीक्षा (इलेक्ट्रॉनिक्स) मेरे द्वारा सम्पन्न कराई गई। विश्व विद्यालय द्वारा निर्धारित सभी प्रयोग एवं उपकरण प्रयोगशाला में मौजूद थे। प्रयोगशाला सभी प्रकार से सुसज्जित थी। सहायक उपकरण भी आवश्यक मात्रा में उपस्थित थे। मूलभूत सुविधाएँ भी प्रचुर मात्रा में थीं। इस महाविद्यालय में जेनरेटर भी क्रय किया गया है जो चालू हालत में है जिससे विद्युत सप्लाई की उपलब्धता बनी रहती है। अध्यापकों ने बहुत परिश्रम से प्रायोगिक कार्य सम्पन्न कराया है। लगभग सभी प्रयोग विद्यार्थियों ने किया है।

हम महाविद्यालय के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हैं।

लक्ष्मीनारायण त्रिपाठी

26.6.07

a

Remarks

आज दिनांक 31 जुलाई 2007 को महाविद्यालय में वृक्षारोपण कार्यक्रम में स्वयं सहभाग किया गया तथा पौधरोपित भी किया तत्पश्चात महाविद्यालय का निरीक्षण भी किया मैंने पाया कि महाविद्यालय अपने पवित्र उद्देश्य की ओर अग्रसर है, व्याख्यान कक्ष, प्रशासनिक कक्ष तथा प्रयोगशालाओं का भी मैंने निरीक्षण किया तथा पाया कि सभी मानकानुरूप बहुत अच्छे ढंग से निर्मित किये गये हैं। मुझे बड़ी प्रसन्नता इस बात की है कि यहां भारतीय संस्कृति को साक्षात देखने को मिली। सम्पूर्ण स्टाफ तथा विद्यार्थी अपने कार्यों में अनुशासित ढंग से लगे हैं। मैं चाहूँगा कि इसी प्रकार से उच्च शिक्षा की गुणवत्ता की ओर बढ़ते रहें।

[signature] 31/07/07

Date	Name & Address
31 जुलाई 2007	डा० सूरी क्षेत्रीय उच्च शिक्षा अधिकारी गोरखपुर।

Remarks

Today I had an opportunity to be in this college. I was highly impressed by the working and future plans of this promising institution, of the committed faculty members headed by the dynamic principal. - Dr. Pradeep Rao

[signature]
24.8.07

Name & Address	Tel. No.
~~Today I got an opportunity~~	2327195
Prof. S M Mishra	9335476719
21 J, Vivekanand Puri Road,	
Mahanagar, Lucknow.	

a महाविद्यालय की शैक्षणिक एवं प्रशासनिक व्यवस्था अति-उत्तम है। यह उच्च शिक्षा संस्थानों हेतु एक माडल के रूप में है। मैं इसकी निरन्तर प्रगति की कामना करता हूँ।

[signature]

अध्यक्ष

प्रो॰ एस॰ के॰ दीक्षित 9450867787

अध्यक्ष, भूगोल-विभाग

दी॰ द॰ उ॰ गोरखपुर विश्वविद्यालय

गोरखपुर

संग्रहालय के भवन, सज्जा, डिस्प्ले एवं सुन्दर, यहाँ का अनुशासन आदि देखकर oasis in a desert की कहावत याद आई। यहाँ आकर मैं आश्चर्यचकित हुए बिना नहीं रह सका। इसकी सतत प्रगति हो, यही कामना है।

[illegible]
24.9.07

0551-6810613

प्रो. गोरख नाथ
प्राचीन इतिहास, पुरातत्व एवं संस्कृति
गोरखपुर विश्वविद्यालय

Remarks

महाविद्यालय अपनी स्थापना से विद्यालय का सुन्दर चतुर्मुखी विकास में सफल है। मैं मंगल कामना करता हूँ कि महाविद्यालय ऐसे विद्यार्थियों का निर्माण करे जो संस्कार युक्त, चरित्रवान, राष्ट्रीय एकता व अखण्डता के पोषक हों। अत्यन्त हर्ष का विषय है कि महाविद्यालय सामाजिक समरसता एवं चेतना का एक केन्द्र भी है।

राम अचल सिंह
25/08/2007

Name & Address	Tel. No.
राम अचल सिंह 20-B, बेतियाहाता, गोरखपुर	2203515 9415076775